दिनांक : . .२०१९

प्रति,

मा. केंद्रीय गृहमंत्री,

भारत सरकार, नई देहली.

विषय : मेघालय राज्य की एन.आई.टी. (NIT) में स्थापित श्री गणेशमूर्ति के हटाने की मांग करनेवाले तथा उसे हटानेवालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के संदर्भ में ...

महोदय,

हाल ही में शिलौंग (मेघालय) के 'नैशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी' (NIT) के निर्देशक-कार्यालय के प्रवेशद्वार के बाहर लगाई गई श्री गणेशजी की मूर्ति को हटा दिया गया है । यहां का छात्र संगठन 'जयन्टीआ स्टुडेंट युनियन'के विरोध के कारण इस मूर्ति को हटाया गया । २३ सितंबर २०१९ को इस मूर्ति की स्थापना की गई थी । 'जयन्टीआ स्टुडेंट युनियन' ने, 'इस मूर्ति को रखने से इस ईसाई बहुसंख्यक राज्य में धार्मिक तनाव उत्पन्न हो सकता है', ऐसा बताकर दबाव डाला । अतः इस विरोध के चलते ३० सितंबर २०१९ को उसे हटाया गया ।

*** इस परिप्रेक्ष्य में हम कुछ घटनाओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं ...**

१. मेघालय ईसाई बहुसंख्यक राज्य होने की बात कहकर श्री गणेशजी की मूर्ति हटाना, भारतीय संविधान में अंतर्भूत धर्मनिरपेक्षता के तत्त्व को कालिख पोतने जैसा है । सरकार को इसमें तुरंत हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है ।

२. इंडोनेशिया एक मुसलमान बहुसंख्यक देश होते हुए भी उस देश के नोटों पर श्री गणेशजी का चित्र अंकित है । वहां विविध स्थानों पर देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई हैं । ऐसा होते हुए भी वहां के मुसलमान समुदाय में किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न नहीं होता । तो भारत के मेघालय में इसके कारण कैसे तनाव उत्पन्न हो सकता है ? ये तनाव उत्पन्न करानेवाले कौन हैं, उनकी खोज करना आवश्यक है ।

३. एन.आई.टी.के निर्देशक विभूति बिस्वाल ने बताया है कि वहां श्री गणेशमूर्ति की प्रतिष्ठापना नहीं की गई थी और मूर्ति को वहां रखने के पीछे किसी प्रकार का धार्मिक उद्देश्य नहीं था । ऐसा होते हुए भी गणेशमूर्ति का विरोध क्यों किया गया ?

४. लाखों वर्षों से भारतीय संस्कृति में श्री गणेशजी विद्या एवं कला के देवता के रूप में मान्य हैं । विद्या एवं कला के अधिपति के रूप में श्री गणेशजी को पूजा जाता है । केवल भारत ही नहीं, अपितु संसार के कई देशों में श्री गणेशजी को पूजा जाता है । संसार के कई देशों के विविध स्थानों पर श्री गणेशजी विराजमान हैं । कुछ देशों में एक सहस्र, ३ सहस्र तथा ५ सहस्र वर्ष पुरानी श्री गणेशजी की मूर्तियां मिल रही हैं । दुर्भाग्यवश हिन्दूबहुसंख्यक भारत में श्री गणेशमूर्ति को हटाने की मांग की जा रही है ।

५. हमारा देश धर्मनिरपेक्ष होते हुए भी इस प्रकार धर्म के आधार पर भेदभाव उत्पन्न करना, हिन्दुओं के देवी-देवताओं का अनादर कर कट्टरता को संजोना देश के धार्मिक सद्भाव के लिए अत्यंत घातक है । इससे ईशान्य के राज्यों में कश्मीर में हिन्दुओं की जो स्थिति है, वैसी स्थिति बनाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना आवश्यक है ।

*** हम आपसे यह मांग करते हैं कि ...**

१. श्री गणेशमूर्ति को हटाने की मांग कर धार्मिक भेदभाव को बढावा देकर सामाजिक सद्‌भाव बिगाडने के लिए कारणभूत छात्र संगठन 'जयन्टीआ स्टुडेंट युनियन' के विरुद्ध कार्रवाई की जाए ।

२. एन.आई.टी. प्रशासन को आदेश देकर वहां श्री गणेशमूर्ति की पुनः सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठापना की जाए ।

आपका विनम्र,

संपर्क :

प्रतियां :

१. मा. मुख्यमंत्री, (संबंधित राज्य का नाम लिखें ।)

२. मा. मुख्य सचिव, (संबंधित राज्य का नाम लिखें ।)